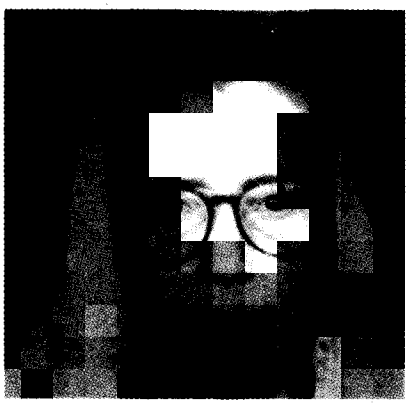

## एस. तोनदोन देवी

**अकादेमी पुरस्कार : मणिपुरी नृत्य**

1931 में इम्फाल, मणिपुर में जन्मीं श्रीमती समानदूराम तोनदोन देवी ने मणिपुरी नृत्य का प्रशिक्षण प्रमुख गुरूओं से प्राप्त किया, जिनमें ओझा अमूबी सिंह हाओबाम अतोम्बा सिंह और अमूदोन शर्मा सम्मिलित हैं। 1954 से 1957 तक आप जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल की प्रशिक्षार्थी रहीं।

1960 से 1962 तक श्रीमती तोनदोन देवी ने जवाहरलाल नेहरू नृत्य अकादेमी में सहायक नृत्य प्रशिक्षक के रूप में कार्य किया। तत्पश्चात् आप त्रिवेणी कला संगम, दिल्ली से सम्बद्ध हो गईं। उसके बाद आप रंगश्री लिटिल बैले ट्रुप, ग्वालियर के साथ अनेक वर्षों तक सम्बद्ध रहीं, जहाँ आपको नृत्यांगना के रूप में विशेष ख्याति मिली। आपने युवा नृत्यांगना के रूप में भारत में अनेक प्रदर्शन किए और 1954-55 में राष्ट्रीय नृत्य परिसंवाद, 1964 में हैदराबाद में आयोजित नृत्य परिसंवाद और 1967 में आयोजित गीत गोविन्द परिसंवाद में गुरू द्वारा आपकी नृत्य प्रस्तुतियाँ आयोजित हुईं।

श्रीमती तोनदोन देवी नृत्यांगना और नृत्य संरचनाकार, दोनों रूपों में उत्कृष्ट हैं। आप मणिपुरी नृत्य अकादेमी की नृत्य मंडली की स्थापना के साथ 1975 से ही उसकी प्रमुख नृत्यांगना रही हैं और अनेक महत्त्वपूर्ण प्रस्तुतियों में आपने सहायक नृत्य संरचनाकार की भूमिका निभाई। आपने अनेक मणिपुरी फिल्मों एवं नाटकों में भी अभिनेत्री के रूप में ख्याति प्राप्त की और अपने योगदान के लिए अनेक पुरस्कार प्राप्त किए।

श्रीमती एस. तोनदोन देवी को मणिपुरी नृत्य में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

## SAMANDURAM TONDON DEVI

**Akademi Award: Manipuri Dance**

Born in 1931 in Imphal, Manipur, Shrimati Samanduram Tondon Devi was trained in Manipuri dance by eminent masters including Ojha Amubi Singh, Haobam Atomba Singh, and Amudon Sharma. From 1954 to 1957 she was a student at Jawaharlal Nehru Manipur Dance Academy, Imphal.

From 1960 to 1962 Shrimati Tondon Devi worked as an assistant dance teacher at JNMDA, and then joined the Triveni Kala Sangam, Delhi. Later she was associated with the Ranga-Sri Little Ballet Troupe, Gwalior, for several years, where she won renown as a dancer. She performed widely in India as a young dancer and was presented in the National Dance Seminar of 1954-55, the Seminar held in Hyderabad in 1964, and the Geeta Govinda Seminar in 1967.

Shrimati Tondon Devi has excelled both as a dancer and choreographer. She was a leading dancer of the JNMDA production unit from its inception in 1975 and assisted in choreographing several important productions. She has also won fame as an actress in Manipuri drama and films, receiving several awards for her work.

Shrimati Samanduram Tondon Devi receives the Sangeet Natak Akademi Award for her contribution to Manipuri dance.